19

श्रम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण

परिचय

19.1 वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान (वी वी जी एन एल आई) श्रम मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्त निकाय जुलाई (1974 में स्थापित) श्रम के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा शिक्षा का शीर्ष संस्थान है।

लक्ष्य तथा अधिदेश

19.2 संस्थान की बाहिर्नियमावली में उन क्रियाकलापों को स्पष्ट रूप से बताया गया है जो संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने हेतु आवश्यक जो है निम्नवत् हैः-

- प्रशिक्षण तथा शैक्षिक कार्यक्रम, सेमिनार तथा कार्यशाला आयोजित करना तथा उसमें सहायता प्रदान करना।
- अपने आप तथा अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों के सहयोग से अनुसंधान आयोजित करना, उसमें सहायता प्रदान करना तथा समन्वय करना।
- निम्न के लिए स्कन्ध स्थापित करनाः (i) शिक्षा प्रशिक्षण तथा अभिविन्यास (ii) अनुसंधान कार्य (iii) परामर्श (iv) प्रकाशन तथा (v) संस्था के लक्ष्य प्राप्त करने हेतु प्रकाशन तथा अन्य ऐसे कार्य जो आवश्यक हों।
- श्रम तथा सहायक कार्यक्रमों के नियोजन तथा कार्यान्वयन में सामने आई विशेष समस्याओं का विश्लेषण तथा उनके निवारण के उपाय सुझाना।
- पत्रों, आवधिकों तथा पुस्तकों का निर्माण, मुद्रण व प्रकाशन करना।
- पुस्तकालय तथा सूचना सेवाएं स्थापित करना तथा उन्हें बनाए रखना।
- भारत में तथा भारत से बाहर समान उद्देश्यों वाले अन्य संस्थानों तथा अभिकरणों से सहयोग
- समाज के लाभों के विस्तार हेतु छात्रवृत्ति, पुरस्कार तथा शिक्षावृत्ति देना।

ढांचा

19.3 संस्थान की शीर्ष शासी निकाय सामान्य परिषद, जिसके अध्यक्ष केन्द्रीय श्रम मंत्री हैं, संस्थान के कार्य करने की विस्तृत योजना के मापदंड निर्धारित करती है। श्रम सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी परिषद संस्थान के क्रियाकलापों का निरीक्षण एवं मार्गदर्शन करती है। सामान्य परिषद तथा कार्यकारी परिषद दोनां त्रिपक्षीय होती है तथा इसके सदस्य सरकार, श्रमिक संघ परिसंघ, नियोक्ता संघ का प्रतिनिधित्व करने वाले तथा श्रम के क्षेत्र में प्रतिष्ठित विद्धान तथा विशेषज्ञ होते हैं। संस्थान का निदेशक मुख्य कार्यपालक होता है तथा प्रबंध तथा प्रशासन हेतु उत्तरदायी होता है। विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 14 व्यवसायिकों से

संगठित संकाय द्वारा दिन प्रतिदिन के कार्यों में निदेशक को सहयोग प्रदान किया जाता है तथा प्रशासनिक स्टाफ द्वारा सहायता की जाती है।

धन-व्यवस्था

19.4 वर्ष 2002-03 के दौरान सरकार ने निम्नानुसार सहायता अनुदान स्वीकृत किया:

गैर योजना	170.00 लाख रुपए
योजना	265.00 लाख रुपए

वर्तमान वर्ष (2003-04) के दौरान स्वीकृत राशि इस प्रकार है:

गैर योजना	200.00 लाख रुपए
योजना	265.00 लाख रुपए

मुख्य क्रियाकलाप
अनुसंधान

19.5 वी वी गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान की बहिर्नियमावली में अन्य बातों के साथ यह अधिदेश भी दिया गया है कि संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय-दोनों स्तरों पर, स्वयं या अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर अनुसंधान करेगा, अनुसंधान को सहायता और बढ़ावा देगा तथा उसका समन्वय करेगा। इस प्रकार, संस्थान के क्रियाकलापों में अनुसंधान का स्थान प्रमुख है।

संस्थान, श्रम मुद्दों के विभिन्न आयामों पर संगठित तथा असंगठित दोनों क्षेत्रों में अनुसंधान (कार्रवाई अनुसंधान सहित) करता रहा है। किन्तु उपेक्षित, वंचित और कमजोर श्रमिक वर्ग से जुड़े मुद्दों पर सदैव विशेष ध्यान केंद्रित किया जाता रहा है।

19.6 संस्थान के अनुसंधान क्रियाकलाप विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों में किए जाते है जिनमें श्रम और रोजगार संबंधी महत्वपूर्ण पहलुओं को प्राथमिकता दी जाती है। कार्यस्थल पर स्त्री-पुरुष समानता तथा स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के समाधान हेतु मौजूद आवश्यकता के मद्देनजर ''स्त्री-पुरुष व श्रम केन्द्र'' तथा ''स्वास्थ्य व श्रम केंद्र'' नामक दो नए केंद्रों की स्थापना की गई। विभिन्न केंद्रों की अनुसंधान सलाहकार समितियाँ प्राथमिकता क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए अनुसंधान कार्यसूची को अंतिम रूप देती है जिसमें निम्नांकित शामिल हैं:

- श्रम बाजार अध्ययन केन्द्र
- रोजगार संबंध और विनियम केन्द्र
- कृषि संबंध और ग्रामीण श्रम केन्द्र
- एकीकृत श्रम इतिहास अनुसंधान कार्यक्रम
- राष्ट्रीय बाल श्रम संसाधन केन्द्र
- स्त्री-पुरुष व श्रम केन्द्र
- स्वास्थ्य व श्रम केन्द्र

19.7 संस्थान के अनुसंधान निष्कर्षों का प्रसार मुख्यतः एन एल आई अनुसंधान अध्ययन श्रृंखला द्वारा ही किया जाता है। मार्च, 2004 तक कुल 19 परियोजनाएं पूरी कर ली गई थीं। 29 अनुसंधान परियोजनाएं अभी चल रही हैं। पूर्ण व चालू अनुसंधान परियोजनाओं का केन्द्रवार ब्यौरा निम्नांकित हैः

प्रशिक्षण और शिक्षा

19.8 श्रम से जुड़े विभिन्न लक्ष्यित समूहों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना संस्थान का एक अन्य महत्वपूर्ण क्रियाकलाप है। संस्थान के प्रशिक्षण क्रियाकलापों में हाल के वर्षों में वृद्धि हुई है जो 2000-2001 में 66 की तुलना में 2002-03 में 96 हो गए। वर्ष 2003-04 के दौरान रिकार्ड संख्या में 106 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए हैं। इसका ब्यौरा नीचे की तालिका में दिया गया हैः

संस्थान द्वारा अप्रैल, 2003 से मार्च, 2004 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा

क्रम सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रमों की संख्या	दिनों की संख्या	सहभागियों की संख्या
1.	श्रम प्रशासन कार्यक्रम	14	73	292
2.	औद्योगिक संबंध कार्यक्रम	14	44	432
3.	क्षमता निर्माण कार्यक्रम	43	257	1066
4.	बाल श्रम कार्यक्रम	21	81	740
5.	अनुसंधान प्रणाली कार्यक्रम	5	56	120
6.	स्वास्थ्य संबंधी	7	28	145

	कार्यक्रम			
7.	इन-हाउस कार्यक्रम	1	3	15
8.	आन्तरिक (इन-हाउस)कार्यक्रम	1	19	18
	योग	**106**	**561**	**2828**

19.9 प्रशिक्षण कार्यसूची में नए मुद्दों को शामिल किया गया है, जैसे एच आई वी/एड्स, सामाजिक सुरक्षा, असंगठित को संगठित करने की चुनौतियाँ । अध्ययन सामग्री संबंधी एक व्यापक संसाधन केन्द्र स्थापित किया गया है और समस्त प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए मानकीकृत पाठ्य सामग्री तैयार की गई है। यह संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के साथ मिलकर, विकास में श्रम संबंधी प्रमाणपत्र कार्यक्रम चला रहा है जो छह माह का है।

19.10 यह संस्थान निम्नांकित समूहों को शिक्षा और प्रशिक्षण देता है:

- ❖ केन्द्र और राज्य सरकारों के श्रम प्रशासकों तथा अधिकारियों को।
- ❖ सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र के उद्योगों के प्रबंधकों और अधिकारियों को।
- ❖ श्रमिक संघ के नेताओं को तथा संगठित व असंगठित क्षेत्रों के संगठनकर्ताओं को और
- ❖ श्रम मामलों से संबद्ध अनुसंधानकर्ताओं, प्रशिक्षकों, फील्ड कार्यकर्ताओं तथा अन्य को।

19.11 वर्ष 2003-04 के दौरान, संस्थान ने निम्नांकित पहलें भी की हैं:

- प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ पहले से चल रहे व्यावसायिक कोलेबोरेशन पर बल।
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन में राज्य श्रम संस्थानों/अन्य संस्थानों के साथ नेटवर्किंग।
- केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशकों और शिक्षा अधिकारियों के लिए विशेषीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- कार्यक्षेत्र में एच आई वी/एड्स के निवारण के बारे में स्वास्थ्य कार्यक्रमों और आई एल ओ परियोजना पर बल
- बल श्रम, नेतृत्व विकास और ग्रामीण श्रम के क्षेत्र में रिसोर्स व्यक्तियों

के क्षमता निर्माण पर बल ।

- पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए अनन्य कार्यक्रमों पर बल।
- बड़े सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के लिए पारंपरिक इन-हाउस कार्यक्रम।
- राष्ट्रीय स्तर कार्यशालाएं/सेमिनार/लेक्चर
- संस्थान परिसर में 03-21 नवम्बर, 2003 तक आईटेक/स्काय के अंतर्गत “लेबर एडमिनिस्ट्रेशन एंड एम्पलायमेंट रिलेशन इन ग्लोबल इकोनॉमी नामक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

प्रकाशन

19.12 श्रम संबंधी विभिन्न सूचनाओं और खासकर संस्थान के अनुसंधान निष्कर्षों का प्रसार करना, संस्थान का एक महत्वपूर्ण कार्य है। संस्थान ने नियमित प्रकाशनों और अवसरगत प्रकाशनों के जरिए दोनों लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करना जारी रखा।

नियमित प्रकाशन

लेबर एंड डेवलपमेंट – द्विवार्षिक पत्रिका

- श्रम विधान – द्विमासिक हिन्दी पत्रिका
- श्रम समाचार- 2 अक्टूबर, 2002 को द्विमासिक, प्रकाशन के रूप में प्रारंभ हुआ और नवम्बर, 2003 से मासिक प्रकाशन
- वार्षिक रिपोर्ट 2001-2002 (द्विभाषी)
- प्रशिक्षण कार्यक्रम कैलेन्डर 2003-2004 (द्विभाषी)

श्रम सूचना संबंधी एन आर डी रिसोर्स सेंटर

19.13 एन आर डी सी एल आई श्रम अध्ययन के क्षेत्र में देश का सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुस्तकालय-सह-प्रलेखन केन्द्र है। दिनांक 1 जुलाई, 1999 को संस्थान की रजत जयंती के अवसर पर केन्द्र को संस्थान के संस्थापक डीन श्री नीतिश आर.डे. की स्मृति में पुनर्नामित किया गया। अब यह केन्द्र पूर्ण कम्प्यूटरीकृत है और अपने प्रयोक्ताओं को पुस्तकालय सेवाएं और संबंधित सूचनाएं प्रदान करता है। मार्च, 2004 तक एन आर डी आर सी एल आई ने 51423 पुस्तकों/रिपोर्टों की खरीद की । इनके अलावा प्रलेख केन्द्र नियमित रूप से 221 व्यावसायिक पत्र-पत्रिकाओं का नियमित ग्राहक है।

******